

भारत सरकार
कार्यालय, आयदर आयुक्त, गुजारातपुर ।

संस्था/दस्त का नाम अमृतीन शास्त्रान सोलाई रुड़-शास्त्रा
पता आदेश की वारिय कालीगढ़ - सांगलीपुर

માના જીવન કે અનુભૂતિ વાદો

वार्षिक दूसरा वार्षिक आवेदन के अनुसार रास्ता की स्थापना दिनांक 5/7/194
के अनुसार दूसरा कोड वा 1 बालकर विभाग में 1940 की तारीख 12/8/1945 के अनुसार विज्ञाकरण हेतु वार्षिक दिनांक 19/11/1945 का आवेदन दिल्ली प्राप्त यहै तथा अनुदल समग्र-सम्मिलित एवं समय सीमा से 6/12/1945 को दीप्ति
महीना बाद को 5/1/1946/रास्ता तारीख या चौथा तारीख विज्ञाकरण आवेदन के दिनांक का पर्याप्ति कारण
नहीं था/ विज्ञाकरण था/ इसने विज्ञाकरण से उत्तर नहीं किया गया है/ विज्ञाकरण का दिनांक 5/12/1945

आयकर आयकर, मुख्यमन्त्री

संस्कृत विद्यालय / काशी विद्यालय, लखनऊ/प्र० ०१-०२/ ६७२-७६
दिनांक - २५.०७. -

- प्रतिक्रिया द्वारा देखा जाने वाली कल्पना का प्रयोग -

 1. अपर/संवृत्ति आयकर आयकर वाली - ~~एक संवृत्ति वाली अपर/संवृत्ति आयकर~~ **परम्परा** -
 2. संहायक आयकर वाली -
 3. आयकर आयकर **संवृत्ति द्वारा**
 4. आयकर

। इस शब्दालयसाठी ।



सिवाया दरबार
आपरिय आयकर आवास, कलापना

दै-दै- आप-जा- / ८२४५० जी/२००१-२००२ (७)
प्रियंका, कलापना - २१८२६८

लेखा है,

महोदय,
महोदय- आयकर अधिकारी १९६१ की धारा ८० जी (s)
के अनुसार यूट।

प्रियंका- आयकर आदेश प्रियंका

प्रियंका- आयकर आदेश प्रियंका

प्रियंका- आयकर आदेश प्रियंका

को

प्रियंका- आयकर आदेश प्रियंका १९६१ की धारा ८० जी के अनुसार दानकर्ता
को उपलक्ष्य लेकर आयकर अधिकारी को अधिकारी को लोगा।

प्रियंका- १९६१ की धारा ८० जी के अनुसार दानकर्ता को अनुसार

दोगा।

प्रियंका- आयकर आदेश प्रियंका
आयकर आदेश, कलापना

उत्तर-

१- दानकर्ता को पारी रिहे, गो सुनि तो आयकर अधिकारी की संख्या और पारीडां दीर्घीत
के बना आवश्यक है।

२- आप एक व्यापक के लिए प्रियंका को शोधीय आयकर अधिकारी के
पास उस्थान पर्याप्त है।

३- दौद हंसियान में विकल्प प्रकार का नियोजन कीजाया जा रहा है तो इसकी सूचना संकलन
एवं प्रांत/न्याय के दृष्टोदृष्टि लाभान्वयन के साथ-साथ कार्यालय को इनीष्य दी जानी

मुद्रित-

दापन सं. आ. आ./तक/०० जी/२०००-२००१/ ६७८-८।

मुम्पपरपुर, दिनांक २५.०२.

प्रतिलिपि प्रेषिता:-

१. सभिय, केन्द्रीय प्राधिकरण दोई, नई दिल्ली ।

२. मुख्य आयकर अधिकारी, पटना ।

पार १ - १८०२

३. संघकर्ता आयकर उपायकर, मुम्पपरपुर नं. २०३, नगरसभा नं. २०३

४. संघाधिक आयकर अधिकारी/आयकर अधिकारी - २०३

ले अद्वैता ऐ दृढ़तंत्रधा दारा प्रवृत्ति पार्श्वाक विवरण की जाए कर
स्वयं को तंद्रित कर ले तो यह दृढ़तंत्रधा दारा ४० जी ५ ४ में निर्दित बाँड़ों को
तथा इस विधाय एवं समाजसाम्बन्ध पर जारी रखे जो अर्थात् जो पूरा करता है। इस के
नवीकरण ऐसा प्राप्त चाद के आवेदन विवरण के १५ ६ पन्द्रह ४ दिनों के अन्दर आगे
प्रतिलिपि के साथ आयकर उपायकर के सामने ले लो।



२५.०२.२००१

आयकर अधिकारी । तकनीकी ।

कृता - आयकर आयकर, मुम्पपरपुर ।